



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 92]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 4, 1981/फाल्गुन 13, 1902

No. 92]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 4, 1981/PHALGUNA 13, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के
रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1981

का. आ. 144 (अ) .—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आवेदन में का. आ 128 (अ)/18 चक/18 कक/उ. वि. वि. अ/73, तारीख 5 मार्च, 1973 द्वारा व्यक्तियों के एक निकाय को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्तियों कहा गया है), मैमसं कृष्ण सिद्धिकीट एड रसास बर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का सम्पूर्ण प्रबंध 5 मार्च, 1973 से 5 वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आवेदन सं. का. आ. 148(अ)/18चक/18कक/उ. वि. वि. अ/78, तारीख 3 मार्च, 1978 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का, 5 मार्च, 1978 से दो वर्ष की और अवधि के लिए, प्रबंध करते रहने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने, यह राय होने पर कि सर्व साधारण के छह में यह समीचीन है कि प्राधिकृत व्यक्तियों पर्वोक्त सात वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् भी उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध करना जारी रखे, उद्योग (विकास) और

प्रिनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चक की उपधारा (2) के परन्तुके अधीन एक आवेदन कलकत्ता उच्च न्यायालय को किया था जिसमें यह प्रार्थना की गई थी कि ऐसा प्रबंध एक वर्ष की और अवधि के लिए जारी रखा जाए;

और उक्त उच्च न्यायालय ने अपने तारीख 20 परवरी, 1980 के आवेदनान्तराल प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध दो वर्ष की और अवधि तक जारी रखने के लिए अन्तराल कर दिया था,

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आवेदन सं. का. आ. 145 (अ)/18चक/18कक/उ. वि. वि. अ/80, तारीख 5 मार्च 1980 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का 5 मार्च, 1980 से एक वर्ष की और अवधि के लिए, प्रबंध करते रहने के लिए प्राधिकृत किया गया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18 चक के माध्यम से उक्त व्यक्ति को उपधारा (2) के परन्तुके विवरण विवरणों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत व्यक्ति को नियम देखा जाएगा है कि वह 5 मार्च, 1981 से आरम्भ होने वाली 6 मास की और अवधि के लिए उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध करना जारी रखे।

[का. सं. 2(1)/80-भी. यू.एस.]

आर. एन. चौपड़ा, अपर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
ORDER

New Delhi, the 4th March, 1981

S.O. 144(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 128(E)/18FA/18AA/IDRA/73, dated the 5th March, 1973, the Central Government had authorised a body of persons (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs. Krishna Silicate and Glass Works Limited, Calcutta, for a period of five years from the 5th March, 1973;

And whereas the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 146(E)/18FA/18AA/IDRA/78, dated the 3rd March, 1978, authorised the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of two years from the 5th March, 1978;

And whereas the Central Government, being of the opinion that it was expedient in the interests of general public that the authorised person should continue to manage the said

industrial undertaking after the expiry of the period of seven years aforesaid, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for the continuance of such management for a further period of one year;

And whereas the said High Court, by its Order dated the 29th February, 1980, permitted the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of two years;

And whereas the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 145(E)/18FA/18AA/IDRA/80 dated the 5th March, 1980, authorised the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of one year from the 5th March, 1980;

And now in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA, read with section 18AA, of the said Act, the Central Government hereby directs the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of six months commencing from the 5th March, 1981.

[F. No. 2(1)/80-Cus.]

R. N. CHOPRA, Addl. Secy.